सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी -पेज: 7

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 174 | बुधवार 01 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

जाति जनगणना पर सिद्धारमैया का आह्वान, मनुवादी सोच के बहकावे में न आएं नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी): कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चल रहे सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का विरोध करने वाले भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और उनके रुख को पाखंडी और मनुवादी मानसिकता से प्रेरित बताया। सर्वेक्षण को किसी के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के पक्ष में बताते हुए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण राज्य के सभी सात करोड़ निवासियों को शामिल करता है ताकि समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। सिद्धारमैया ने लिखा कि मनुवाद की विचारधारा यह तय करती है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व एक ही हाथों में केंद्रित रहें; गरीब गरीब ही रहें, पिछड़े पिछड़े ही रहें, महिलाएं अवसरों से वंचित रहें और जातियों व समुदायों के बीच असमानता बनी रहे। दुर्भाग्य से, यह मनुवादी मानसिकता भाजपा नेताओं के भीतर गहराई से समाई हुई है। सर्वेक्षण के प्रति उनका विरोध इस प्रतिगामी विचार से उपजा है

करूर रैली भगदड़ मामले में बड़ी कार्रवाई, टीवीके के तीन पदाधिकारियों समेत चार गिरफ्तार, एक ने की आत्महत्या

चेन्नई (एजेंसी): टीवीके संस्थापक और अभिनेता विजय की राजनीतिक रैली के दौरान हुई भीषण भगदड़ (जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 41 लोगों की जान चली गई थी) के दो दिन बाद पुलिस ने आज टीवीके के तीन पदाधिकारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में टीवीके शाखा इकाई के एक सचिव ने घटना के संबंध में एक भावुक नोट लिखने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों - टीवीके के दो पदाधिकारी शिवनेसन और सरथकुमार और भाजपा के सगायम - को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक शांति भंग करने के इरादे से पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। टीवीके के प्रमुख पदाधिकारी करूर पश्चिम जिला सचिव मथियालगन को आज रात हुई भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार

किया गया है। मथियालगन टीवीके के प्रमुख पदाधिकारी थे, जिन्होंने शनिवार को अन्य जिला इकाई कार्यकताओं और नेताओं के साथ रैली की व्यवस्था की थी। इस बीच, टीवीके के विरपट्टू गांव शाखा सचिव, अय्यप्पन (52) ने अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह कदम उठाने से पहले, उन्होंने एक भावुक नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि वह इस दुखद घटना से बहुत दुखी हैं और उन्होंने पुलिस पर पर्याप्त व्यवस्था न करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने इस त्रासदी के लिए जम्मिेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। सूचना मिलने पर, पुलिस मौके पर पहुंची, पत्र बरामद किया और शव को

जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 41 लोगों की जान चली गई थी

टीवीके संस्थापक और अभिनेता विजय की राजनीतिक रैली के दौरान हुई भीषण भगदड़ (जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 41 लोगों की जान चली गई थी) के दो दिन बाद पुलिस ने आज टीवीके के तीन पदाधिकारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तमिलनाडु के विल्लुपुरम...

पोस्टमार्टम के लिए विल्लुपुरम के मुंडियमबक्कम सरकारी अस्पताल भेज दिया। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा एक वीडियो संबोधन में लोगों से करूर की दुखद घटना के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अफवाहें या दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी न करने की अपील करने के बाद, ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें पोस्ट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। यहां एक पुलिस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऐसे समय में जब घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही थी और उचित जांच चल रही है, सोशल मीडिया पर फर्जी संदेश पोस्ट किए गए जिनका उद्देश्य सार्वजनिक शांति भंग करना था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऐसी खबरें पोस्ट करने के लिए 25 मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। विज्ञप्ति में जनता से अपील की गई है कि वे जनता में भय पैदा करने और सार्वजनिक शांति भंग करने वाली टिप्पणियां पोस्ट न करें। साथ ही, चेतावनी दी गई है कि इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी और दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरएसएस के 100 साल: पीएम मोदी जारी करेंगे स्मारक डाक टिकट और सिक्का, राष्ट्र सेवा को देंगे सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर 2025 को सुबह 10:30 बजे डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री राष्ट्र के लिए आरएसएस के योगदान को दशार्ने वाला एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इससे पहले रविवार को मन की बात कार्यक्रम में राष्ट्र को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की "अभूतपूर्व और प्रेरक" यात्रा की सराहना की, क्योंकि विजयादशमी के

अवसर पर यह संगठन अपने 100 वर्ष पूरे करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "यह विजयादशमी एक और कारण से भी बेहद खास है। यह दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। एक सदी की यह यात्रा अद्भुत, अभूतपूर्व और प्रेरक है।" प्रधानमंत्री मोदी, जो पहले आरएसएस का हिस्सा रहे थे, ने कहा कि आजादी से पहले भारत में पहचान के संकट के बीच संघ का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। सदियों से चली आ रही इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुँचाई थी। दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता पहचान के संकट से जूझ रही थी। हमारे नागरिक हीन भावना के शिकार हो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परम पूज्य हेडगेवार जी ने 1925 में विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। हेडगेवार के निधन के बाद, गुरुजी ने राष्ट्र सेवा के इस महान मिशन को आगे बढ़ाया। आरएसएस की शिक्षाओं की सराहना करते हुए, उन्होंने देश में प्राकृतिक आपदा के दौरान राहत कार्यों में सहयोग देने के लिए संघ की प्रशंसा की। उन्होंने आरएसएस के "राष्ट्र प्रथम" दृष्टिकोण की सराहना की और शताब्दी समारोह की शुभकामनाएँ दीं।

राहुल गांधी की केंद्र से अपील: लद्दाख में हिंसा-भय की राजनीति बंद हो, बातचीत से समस्या का हल निकले

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से "बातचीत करने और हिंसा व भय की राजनीति बंद करने" का आह्वान किया। उन्होंने लेह में हुई हालिया हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। एक्स पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा, "पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की सिर्फ. इसलिए गोली मारकर जान ले ली, क्योंकि वह

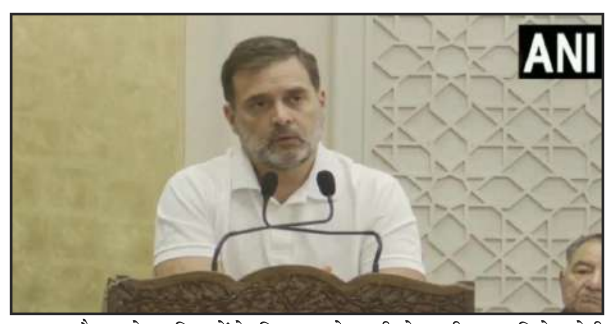

लद्दाख और उसके अधिकारों के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आँखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं - क्या आज देश सेवा का यही इनाम है?" राहुल ने निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग को आगे बढ़ाते हुए इस मौत को हत्या बताया और कहा, "हमारी माँग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जाँच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख के लोग "अपने अधिकारों की माँग" कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "वे अपने अधिकारों की माँग कर रहे हैं, बातचीत कर रहे हैं - हिंसा और भय की राजनीति बंद करें।" इससे पहले, 24 सितंबर को लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जब स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई थी। इस झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी। दो दिन बाद, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। उन पर "हिंसा भड़काने" का आरोपगाया गया है। लद्दाख के लोग केंद्र शासित प्रदेश को संविधान की अनुसूची वीआई में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। संविधान की इस अनुसूची में अनुच्छेद 244(2) और 275(1) शामिल हैं, जिनमें लिखा है, "असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान।"

करूर त्रासदी पर विजय का भावुक संदेश: पीड़ितों के परिजनों से मिलेंगे, बोले- दिल दर्द से भरा

नई दिल्ली (एजेंसी): तमिलनाडु के करूर में अपनी राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत के तीन दिन बाद, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने मंगलवार को अपना पहला वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों से मिलने का वादा किया। गौरतलब है कि विजय का यह वीडियो संदेश करूर भगदड़ को लेकर चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बीच आया है, जिसमें डीएमके ने अभिनेता से नेता बने विजय पर इस त्रासदी और जानमाल के नुकसान का आरोप लगाया है। विजय ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि मेरा दिल बस दर्द से भरा है। लोग इस दौरे पर हमें देखने क्यों आते हैं? इसकी एक ही वजह है: उनका हमारे प्रति प्यार और स्नेह। मैं हमेशा से उनके इस प्यार और स्नेह का ऋणी रहा हूँ। इसीलिए, इस दौरे में मैंने लोगों की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखा है,

बिना किसी समझौते के। उन्होंने कहा कि यह बात मेरे दिल में बहुत गहराई से बसी है। इसलिए मैंने सभी राजनीतिक कारणों को दरकिनार कर, सिर्फ.लोगों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया, उसके लिए उपयुक्त जगहों का चुनाव किया और उसके लिए अनुमति भी ली। उन्होंने कहा कि मैं इस क्षति से शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ... मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है... मुख्यमंत्री महोदय, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को कोई नुकसान न पहुँचाएँ। आप मेरे घर या मेरे कार्यालय में आकर मेरे खिलाफ कोई भी कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ नहीं... जल्द ही, सारा सच सामने आ जाएगा।

करूर भगदड़ की एससी जज से जांच हो! भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उठाई बड़ी मांग, घायल पीड़ितों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी): एनडीए-भाजपा के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को करूर स्थित उस अस्पताल का दौरा किया जहाँ 27 सितंबर को हुई भगदड़ में घायल हुए लोगों का इलाज चल रहा है। यह दौरा तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई दुखद घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल के तथ्य-खोज अभियान का हिस्सा है, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी। अस्पताल पहुँचने से पहले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गठित प्रतिनिधिमंडल ने भगदड़ स्थल का दौरा किया और प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत की। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि यह बहुत ही भयानक और सबसे बड़ी भगदड़ है। राजनीति के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था...प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे...लोगों को भी इस पर बहुत बुरा लग रहा है। मैंने उस जगह जाकर देखा जहाँ भगदड़ हुई थी। ऐसी स्थिति देखकर बहुत दुख

हुआ...इस सब के लिए कौन ज़िम्मेदार है, हम जानना चाहते हैं...हम अब घायल लोगों को भी देखने अस्पताल आए हैं। वे ठीक हो रहे हैं...ऐसा देखकर बहुत दुख हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए...विजय को यह देखना चाहिए था कि अगर वह इतने लोकप्रिय हैं, तो उन्हें इतने लोगों को आमंत्रित नहीं करना चाहिए। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कौन जिम्मेदार है? इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हमारा मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश को इस मामले की जांच करनी चाहिए और सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद हेमा मालिनी, अपराजिता सारंगी, अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, ब्रज लाल, रेखा शर्मा, श्रीकांत शिंदे (शिवसेना) और पुट्टा महेश कुमार (तेलुगु देशम पार्टी) शामिल हैं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी समिति की संयोजक हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने प्रतिनिधिमंडल को भगदड़ की पूरी कहानी सुनाई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि टीवीके नेता आधव अर्जुन ने कार्यक्रम के दौरान अभिनेता विजय से संपर्क किया और उन्हें बताया कि भीड़ के दबाव के कारण लोग बेहोश हो रहे हैं। इसके जवाब में, कथित तौर पर वाहन से पानी की बोतलें भीड़ पर फेंकी गईं। प्रत्यक्षदर्शी ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि टीवीके के आधव अर्जुन विजय के पास गए और कहा कि लोग बेहोश हो रहे हैं। उन्होंने तुरंत वाहन से पानी की बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं... स्थानीय प्रशासन नाकाम रहा... सड़क 19 फीट गहरी थी और वाहन 12 फीट गहरा था... हंगामा शुरू होने के बाद, उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया और चले गए। विजय 10 मिनट तक मौजूद रहे।

इ लव मुहम्मद विवाद: सीएम धामी का अल्टीमेटम, शांति भंग की तो चुकानी पड़ेगी कीमत

उत्तराखंड (एजेंसी): उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को 'आई लव मुहम्मद' लिखी तख्तियों के प्रदर्शन के खिलाफ चेतावनी दी और इसे त्योहारों और सार्वजनिक शांति भंग करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया। इस विवाद पर बोलते हुए, धामी ने कहा कि यह हमारे त्योहारों और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अशांति और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से एक सोची-समझी साजिश है। इसके पीछे वे ताकतें हैं जो भारत को मजबूत होते नहीं देख सकतीं... जो प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में 'विकसित भारत' के संकल्प में हो रहे विकास को पचा नहीं पा रही हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अगर आप किसी से जुड़े हैं, तो आपको उनके नाम की तख्ती लेकर घूमने का अधिकार किसने दिया? अगर आप किसी से प्यार और सम्मान करते हैं, तो वह सम्मान तभी सच्चा होता है जब वह आपके व्यवहार में झलकता है। धामी ने यह भी चेतावनी दी कि अशांति के दौरान सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले किसी भी व्यक्ति से इसकी कीमत वसूल की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, "इस धरती (उत्तराखंड) पर इस तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी...चाहे वह सरकारी संपत्ति हो या निजी, दंगाई कोई भी हो, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी और यह बहुत सख्ती से किया जाएगा।" इस बीच, उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। 26 सितंबर को "आई लव मुहम्मद" पोस्टर विवाद को लेकर हुए विरोध

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'आई लव मुहम्मद' लिखी तख्तियों के प्रदर्शन को सार्वजनिक शांति भंग करने की सुनियोजित साजिश बताते हुए राज्य में अराजकता बर्दाश्त न करने की कड़ी चेतावनी दी।

प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद से शहर में तनाव बना हुआ है। इस बीच, बरेली पुलिस ने 56 गिरफ्तारियाँ कीं, जिनमें बरेली हिंसा मामले का एक प्रमुख साजिशकर्ता नदीम खान भी शामिल है। इस कार्रवाई का नेतृत्व करने वाले बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने पुष्टि की कि नदीम को हिंसा भड़काने में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार की नमाज के बाद प्रदर्शनकारी 'आई लव मोहम्मद' की तख्तियां लिए हुए आला हजरत दरगाह और आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के घर के बाहर जमा हुए। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव किया और पुलिस के साथ झड़प की। पुलिस ने कहा कि झड़प में कई लोग घायल हुए और सार्वजनिक संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को व्हाट्सएप पर भड़काऊ संदेशों के जरिए उकसाया गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली में हुई हालिया हिंसा में शामिल उपद्रवियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली में हुई हिंसा में शामिल उपद्रवियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी।

संपादकीय

एशिया कप में विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी-20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं, इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्त्वपूर्ण मौकों पर धड़कनों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेंटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है, तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्त्व को जानता है, इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दर्शाते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

सनत जैन

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर...
दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुडा वर्ग महज 1झ8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है।

पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कापोरेट जगत के अरबोंझखरबों की कॉपोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी,

उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही हैं। राजनेताओं और कॉरपोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कापोर्रेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूंजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसेः असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एंव शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है।

शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुर्जगों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बगैर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब वही फुटपाथ एंव पार्किग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुगरे के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क हादसों में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षो में ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जब स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा है।

वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की अवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों को अपने ग्राहकों को पार्किग सुविधा उपलब्ध कराना व्यपारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लाफरवाह हो चुकी है कि पार्किग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और टपाथों पर खड़ी कर दी जाती हैं।

आवासीय क्षेत्रों में वह रहवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन

देश में पैदल राहगीरों के लिए सडक किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर चिंता का विषय होना चहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है।

पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्त्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

काला शनिवार : तमिलनाडु भगदड़ हादसा भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन एक यक्ष प्रश्न?

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम ह्यसमावेशी भविष्य के लिए

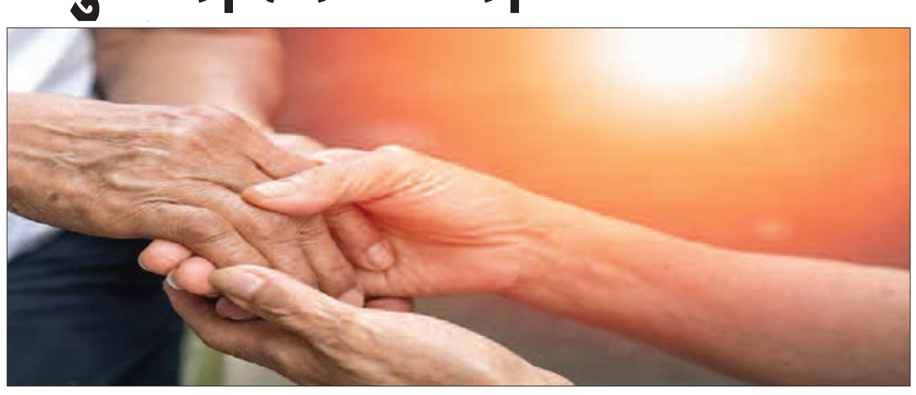

वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाह्व है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही ह्लडिजिटल इंडियाह्व और ह्लस्किल इंडियाह्व जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और ह्लसेवा भावह्व को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की आम सभा का ढवारसी में किया गया आयोजन

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड के दिव्या ज्योति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की आम सभा अधिवेशन का आयोजन रॉयल पैलेस ढवारसी किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अश्विनी कुमार खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कि गई। कार्यक्रम का संचालन यादराम सिंह ब्लॉक मिशन प्रबंधक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदीयों द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। खंड विकास अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली दिदियों को उपहार देकर सम्मानित किया व उत्कृष्ट कार्य करने वाली बैंक सखी प्रीति समूह सखी शहनाज को सम्मानित किया गया। खंड विकास अधिकारी द्वारा दिदीयों को ग्राम संगठन एवं सीएल एफ स्तर पर विभिन्न आजीविका बढ़ाने हेतु उन्हें कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राजकुमार सिंह द्वारा भी दीदीयों को बकरी पालन मछली पालन मुर्गी पालन व अन्य कार्यों से जुड़कर आजीविका बढ़ाने के लिए कहा गया व फूलों की खेती सब्जी उत्पादक ब्यूटी पार्लर की जानकारी दी गई। बिश्वजीत ब्लॉक मिशन प्रबंधक द्वारा दिदियों की आय बढ़ाने के लिए पुरी लगन और निश्चय के साथ कार्य करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में नीरज अध्यक्ष सी एल एफ ग्राम संगठन एवं सीएल एफ पदाधिकारी ब्लॉक मिशन प्रबंधक बैंक सखी समूह सखी ,स्वास्थ्य सखी सहायक विकास अधिकारी आईएसबी महिला मेट सहित समूह की दिदिया की उपस्थित रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में किया गया धरना प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में अमरोहा अड्डे पर धरना प्रदर्शन व रोड जाम करके किसानों की आवाज उठाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी ने कहा की धान का रेट, लेबर रेट और सभी मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन रोड जाम किया, और हमारी मांगे मान ली गई। भारतीय किसान यूनियन (भीमराव अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में किसानों ने धान की सरकारी खरीद तुरंत शुरू करने की मांग और गुहार की। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि किसानों से सफल बातचीत के बाद जाम खुलवा दिया गया है। हसनपुर मंडी समिति के अंदर और बाहर की तरफ धान से भरे ट्रैक्टर ट्राली की लंबी-लंबी कतारे देखने को मिली, और जाम होने की वजह से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लाइन लगी हुई देखने को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझा कर जाम खुलवाया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन अंबेडकर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेबीएफ ने छात्रों और ग्रामीणों को दिया आग बुझाने का प्रशिक्षण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को आग लगने पर उसे बुझाने का प्रशिक्षण दिया गया। समझाया गया कि आग लगने पर घबराएं नहीं बल्कि संयम बरतें। बता दें कि मंगलवार को गजरौला ब्लाक के गांव कटाई में स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जेबीएफ के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव की मौजूदगी में गजरौला से आए अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार ने बच्चों, ग्रामीणों और शिक्षकों को बताया कि आग लगने पर घबराएं नहीं। यदि आप संयम बरतेंगे तो आग पर तत्काल काबू पाया जा सकता है। उन्होंने घरों में प्रयोग होने वाले रसोई गैस सिलिंडर में आग लगाकर उसे बुझाकर दिखाया। इसके अलावा कपड़ों, कूड़ा-कचरा, सूखी झाड़ियों आदि में आग लगाकर उसे बुझाने का प्रशिक्षण भी दिया। जेबीएफ के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने कहा कि कई बार शार्ट सर्किट से भी आग लग जाती है। ऐसे में घरों मेंआग बुझाने के उपकरण भी अवश्य रखें। मामूली आग को बुझाने के लिए रेत,बालू, पानी के साथ ही भीगे हुई बोरी अवश्य पास रखें। इसके साथ ही आग लगने पर तत्काल फायर ब्रिगेड अथवा डायल 112 को सूचित करें।

इस मौके पर प्रधानाध्यापिका मधुलिका, भारती, नेहा कौशिक, एकता रानी, फरजाना आदि के साथ ही जेबीएफ सीएसआर के बूंदी सिंह, नवनीत सिंह, राहुल, नूरमसीह, मोनू कुमार आदि भी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत तिगरी में कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत तिगरी विकासखंड गजरौला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल ,क्षेत्रीय व कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार, अऊ्ड आईएसबी संजीव कुमार ,ग्राम विकास अधिकारी राजपाल सिंह ग्राम प्रधान तीगरी ,पंचायत सहायक, रोजगार सेवक इत्यादि उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के लिए सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। वूमेंस हेल्पलाइन नंबर इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई तथा युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा संचालित ग्राम पंचायत में मंगल दल महिला मंगल दल की ग्राम पंचायत के उत्थान में क्या भूमिका हो सकती है महिला मंगल दल द्वारा क्या कार्य कराए जा सकते हैं उनके बारे में बताया गया तथा महिलाओं को अग्रणी बनाने के लिएजो कार्य किया जा सकते हैं उनके बारे में बताया गया। महिलाओं द्वारा पंचायत में क्या-क्या कार्य किये जा सकते हैं उसके बारे मे बताया गया तथा उत्तर प्रदेश सरकार तथा भारत सरकार द्वारा महिलाओं के लिए जो भी योजनाएं क्रियान्वित हैंउ क्त योजना के बारे में सूचना दी गई तथा महिलाओं को खेलों के प्रति जागरूक तथा खेलो में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को सुरक्षा संबंधी सभी टोल फ्री नंबर जैसे 112 ,1090, 1076 , 108, 102 इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई तथा महिलाओं को घर से निकल कर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने तथा देश के विकास में योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया गया ।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण सम्पन्न करानें हेतु की गई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/ सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली ने अर्हता तिथि 01 नवंबर के आधार पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण को सम्पन्न करानें हेतु तहसील स्तर पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/पदनामित अधिकारी एवं अतिरिक्त पदनामित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उन्होंने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि ध्यान से कार्य करें ताकि त्रुटि पूर्ण मतदाता सूची बनाई जा सके इसलिए किसी प्रकार की जल्दबाजी न करें और ठीक प्रकार से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार दिनांक 30 सितंबर से 06 नवंबर के मध्य अर्ह शिक्षक मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम शामिल करने हेतु फार्म-19 में आवेदन पत्र प्राप्त किए जायेंगे। भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित विकास खण्ड कार्यालय और तहसील कार्यालयों में नामित अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा प्राप्त किए जायेंगे। उन्होंने बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियां नए सिरे से तैयारी की जाएगी। पूर्व निर्वाचन में प्रयुक्त निर्वाचक नामावली उपयोग में नहीं लाई जाएगी। बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में पंजीकरण के लिए व्यक्ति की पात्रता लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-27(5) (ख) के अनुसार किसी व्यक्ति को शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत होने के लिए अवश्यक शर्तों को जैसे-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य रूप से निवासी होना चाहिए, अर्हक तिथि (यथा 01.11.2025) से तत्काल पहले छह वर्षों के भीतर, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-27 की उप धारा (3) के खण्ड (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट राज्य के शैक्षणिक संस्थान में, भारत निर्वाचन आयोग की सहमति से सम्बन्धित राज्य सरकार के ऐसे शैक्षणिक संस्थान जिसका स्तर माध्यमिक विद्यालय से कम न हो, में शिक्षण कार्य में कम से कम कुल तीन वर्ष की अवधि से कार्यरत होना चाहिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी, अमरोहा, हसनपुर, नौगावां सादात, जिला विद्यालय निरीक्षक, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत आर्यांस स्कूल में महिला क्रिकेट मैच का किया गया आयोजन

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया क्रिकेट मैच का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत अमरोहा के आर्यांस स्कूल में एक महिला क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिलाधिकारी निधि वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने मैच का शुभारंभ किया, जिसमें छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं के क्रिकेट मैच और बेहतरीन खेल प्रदर्शन की तारीफ करते हुए जिले की डीएम निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह बेटियां हमारे देश का भविष्य है। इस मौके पर ज़िले के कप्तान अमित कुमार आनंद ने छात्राओं की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी व हेल्प लाइन नंबर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिले में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित भी किया। उन्होंने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि छात्राएं आगे चलकर अमरोहा के साथ-साथ प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

बालिकाओं और महिलाओं के सम्मान और स्वालंबन के लिए आयोजित हुआ मेगा इवेंट

विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 182 बालिकाओं और महिलाओं का हुआ सम्मान

कन्या पूजन के साथ मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत मंगलवार को शिवानी बैंक्वेट हाल में कन्या पूजन और बालिकाओं एवं महिलाओं के सम्मान और स्वालंबन के लिए मेगा इवेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि सरकार की मंशा महिलाओं को सशक्त बनाने की है, इसलिए मिशन शक्ति अभियान शुरू किया गया है। इस मिशन की सफलता यह है कि जो महिलाएं पहले घरों में सीमित रहती थीं, वे अब समाज में उजाला फैला रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बालिकाओं को जन्म से लेकर विवाह तक विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर रही है। मिशन शक्ति का उद्देश्य हमारी सोच में बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि हमें यह सोचना चाहिए कि अगर कोई और कर सकता है, तो हम भी कर सकते हैं। इसके अलावा, इस मिशन का लक्ष्य परिवार और समाज में लैंगिक समानता स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति का एक प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं पर कोई अत्याचार न हो। इसके लिए महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। पिंक बूथ और मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य दूसरों को प्रेरित करना है, ताकि वे भी आगे बढ़ें। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन और प्रशासन हमेशा आपके साथ है। अंत में, उन्होंने कहा कि सोच में बदलाव लाकर महिलाएं आगे बढ़ेंगी। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि इसके तहत सभी थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि आपके पास अपने क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता है, आप समाज में जागरूकता फैलाएं। उन्होंने महिलाओं से समाज को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे कोई महिला सिपाही हो, डॉक्टर हो, या राजनेता, वह दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती है। उन्होंने सभी से अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने और दूसरों को प्रेरित करने का आग्रह किया। नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं को सम्मान देने के साथ स्वावलंबन बनाने का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं और बालिकाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटे मान हैं, तो बेटियां स्वाभिमान हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि बेटियों को शिक्षित करें, जिससे एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके। आचार्य सुमेधा ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान नारी शक्ति का प्रतीक है। इसके माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं में जागरूकता लाई जा रही है और उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है। बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नारी समाज की प्रेरक शक्ति और परिवार की नींव है। उन्होंने कहा कि जब एक नारी स्वस्थ, शिक्षित और समृद्ध होगी, तो समाज भी वैसा ही बनेगा। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि आप अपने जीवन में चाहे डॉक्टर बनें, इंजीनियर बनें या कुछ और, लेकिन सबसे पहले एक अच्छे संस्कार वाली माता और संरक्षक बनें। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में कन्या गुरुकुल चोटीपुरा की छात्राओं ने योगा, गीत और विचारों आदि के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया और लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र जैसे शिक्षा, खेल, योगा, भाषण, नृत्य ,निबंध ,कविता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 73 बालिकाओं को मोमेंटो, प्रमाण पत्र तथा स्कूल बैग भेंट कर सम्मान किया। कन्या पूजन के अंतर्गत 9 कन्याओं का पूजन किया गया 11 महिलाओं की गोद भराई का कार्य संपन्न हुआ। वही नगर पालिका की ओर से वजन मशीन तथा लंबाई मशीन का वितरण भी किया गया तथा लाभार्थी के रूप में 11 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, 10 बालिकाएं , मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा 5 कन्याओं को कन्या जन्मोत्सव के अंतर्गत बेबी किट और मच्छर दानी प्रदान की गई। इसके साथ विभिन्न क्षेत्र जैसे शिक्षा, सफाई, चिकित्सा, पशु चिकित्सा, समूह की दीदियां, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती , राजस्व विभाग, सामाजिक क्षेत्र , कृषि विभाग, पुलिस विभाग ,पंचायती राज विभाग, महिला कल्याण विभाग की 59 महिलाओं को प्रमाण पत्र मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुल 182 महिलाओं तथा बालिकाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला दिव्यागजन सशक्तिकरण अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तथा महिला कल्याण विभाग के समस्त कार्मिक और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं उपस्थित रही।

जनपद में बाल श्रम के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी (बहजोई) डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर जनपद संभल में बाल श्रम के खिलाफ एक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना ए.एच.टी. और एनजीओ जस्ट राइट की संयुक्त टीम द्वारा संभल थाना क्षेत्र और गंवा रोड पर आयोजित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न संस्थानों और दुकानों की जाँच की गई। संयुक्त टीम ने दुकानदारों और आयोजकों को बाल श्रम, बाल विवाह और नशे के खिलाफ जागरूक किया। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी स्थिति में काम पर नहीं रखा जाए, क्योंकि यह दंडनीय अपराध है। साथ ही, आपातकालीन सहायता के लिए शासन और प्रशासन द्वारा जारी टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों 1090, 1098, 108, 112, 1076 और 181 की जानकारी भी दी गई। इस अभियान में थाना ए.एच.टी. के प्रभारी निरीक्षक सत्य विजय सिंह, हेड कांस्टेबल दीपक सिंह, कांस्टेबल नवीन कुमार और एनजीओ जस्ट राइट के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी शामिल रहे। इस पहल का उद्देश्य समाज में बाल श्रम और अन्य सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता फैलाना और कानून का पालन सुनिश्चित करना है।

पुलिस ने तीन वर्षीय बच्चे को तलाश कर परिजनों को सौंपा

हयातनगर/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार विश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी, और क्षेत्राधिकारी संभल के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत हयातनगर थाना पुलिस ने एक 3 वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर परिवार को सौंप दिया। इस कार्य के लिए पुलिस की जमकर सराहना की जा रही है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को अरुण पुत्र ओमपाल, निवासी ग्राम लाडम सराय, थाना कोतवाली संभल, अपने 3 वर्षीय बेटे शिवा के साथ अपनी बहन के घर ग्राम सीतापुरी, थाना हयातनगर गए थे। वहां शहजाद नामक व्यक्ति ने नशे की हालत में बच्चे को बिना बताए उठा लिया। अरुण ने बच्चे को बहुत तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने थाना हयातनगर में तहरीर दी।हयातनगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया और संभावित स्थानों पर दबिश दी। पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप मंगलवार को बच्चे शिवा को सकुशल बरामद कर लिया गया। बच्चे को उसकी माता प्रियंका पत्नी अरुण के सुपुर्द कर दिया गया। परिवारजनों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की भूरी-भूरी प्रशंसा की और अपनी लापरवाही पर खेद व्यक्त किया। संभल पुलिस की इस मानवीय और त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर मिशन शक्ति अभियान की सफलता को दशार्या है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक की गई बैठक

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद में और निगमित क्षेत्र के वार्षिक सर्वेक्षण आसुस एवं पीएलएफएस सर्वेक्षणों के संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, जिला सूचना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, आसुस एवं पीएलएफएस से संबंधित अपर सांख्यिकी अधिकारी तथा इन दोनों सर्वेक्षणों से संबंधित समस्त पर्यवेक्षक एवं सर्वेक्षक उपस्थित थे। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा पीएलएफएस एवं आसुस सर्वेक्षणों के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि श्रम बल आंकड़ों की उपलब्धता के महत्व को ध्यान में रखते हुए एनएसएसओ के माध्यम से पीएलएफएस सर्वे कराया जाता है जिसमें 3 महीने के छोटे समय अंतराल में प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेत का ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में अनुमान लगाया जाता है। इसी प्रकार आसुस सर्वेक्षण के बारे में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में यह सर्वेक्षण किया जा रहा है।अर्थव्यवस्था में जनपद स्तर पर अनिगमित क्षेत्र के योगदान के वास्तविक आकलन हेतु कोई विश्वसनीय स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण यह सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के आधार पर जिला घरेलू उत्पाद के अनुमान तैयार किए जाएंगे। इन दोनों सर्वेक्षणों हेतु पर्यवेक्षक एवं सर्वेक्षकों का चयन आउटसोर्सिंग के माध्यम से किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा समस्त सर्वेक्षकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया कि क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य करते समय सर्वेक्षण के संबंध में शासन स्तर से समय-समय पर जारी किए गए निदेशों का अध्ययन करते हुए इनके अनुसार सर्वेक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। समस्त स्टेकहोल्डरों मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स विभाग, अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा, जिला उद्यान अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य के समय उनके कार्यालय में पंजीकृत समस्त दुकानों एवं संस्थाओं को सहयोग हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें।

नवरात्रि के आठवें दिन मां भगवन्तपुर वाली देवी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

बहजोई/संभल (सब का सपना):- नवरात्रि के आठवें दिन बहजोई नगर के रेलवे रोड स्थित मां भगवन्तपुर वाली देवी मंदिर में भक्तों का भारी मेला लगा रहा। प्रातः 4 बजे से ही माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। मंदिर परिसर में भक्ति का माहौल बना हुआ था, जहां महिलाएं, पुरुष और बच्चे उत्साहपूर्वक माता के दर्शन और पूजन और आरती में लीन थे। नन्हें-मुन्ने बच्चों और कन्या लांगुर को भोग के रूप में हलवा-चना का प्रसाद खिलाने की परंपरा निभाई गई। मंदिर परिसर में भजनों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने माता के सामने अपनी मनोकामनाएं मांगी और आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए, जिससे दर्शन सुचारू रूप से संपन्न हुए। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मां भगवन्तपुर वाली के दर्शन से मन को शांति और आत्मिक बल प्राप्त होता है। देर रात तक मंदिर में भक्तों का आना-जाना जारी रहा।

सुलभ शौचालयों में पानी की कमी, खुले में शौच को मजबूर ग्रामीण

संभल (सब का सपना):- विकास खंड बहजोई के गांव भरतपुर में सरकारी सुलभ शौचालयों की स्थिति बदहाल है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले छह महीने से शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है और पानी का टैंक टूटा हुआ है। सरकार ने लाखों रुपये खर्च कर स्वच्छ भारत अभियान के तहत सुलभ शौचालय बनवाए, ताकि खुले में शौच को रोका जा सके और बीमारियों से बचा जा सके, लेकिन सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण फिर से खुले में शौच करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मीडिया के सामने अपनी परेशानी बयां करते हुए कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। दूसरी ओर, गांव के पंचायत सचिवालय की हालत भी जर्जर है। वहां साफ-सफाई का नामोनिशान नहीं है और बड़ी-बड़ी घास उगी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है। गुस्साए ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया और मांग की कि उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वे आगे और बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा नगर मंडल की आत्मनिर्भर संकल्प अभियान कार्यशाला आयोजित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर मंडल बहजोई की ओर से आज नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा के निवास/कैम्प कार्यालय पर आत्मनिर्भर संकल्प अभियान के तहत एक मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्य समिति सदस्य मंजू दिलेर और जिला महामंत्री कमल कुमार कमल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने की, जबकि संचालन कार्यक्रम संयोजक प्रेमशंकर कश्यप ने किया। कार्यशाला में सुशील कुमार शर्मा, नीरज श्रीवास्तव, विशन लाल वार्ष्णेय, जितेंद्र कुमार वरनवाल, प्रदीप कुमार, प्रफुल रस्तोगी, अनुज कुमार, आनंद स्वरूप, प्रमोद कुमार डीसी, राजीव कुमार वरनवाल, दिवाकर उपाध्याय, बंटी मौर्य, सौरभ वाल्मीकि, इमरान, सानू अहमद सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए। नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प वोकल फॉर लोकल स्वदेशी अपनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार व उद्यमिता को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि है, जिसका लक्ष्य भारत को हर क्षेत्र में स्वावलंबी और सशक्त बनाना है।

कार्यशाला में उपस्थित कार्यकताओं ने आत्मनिर्भर भारत के इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर इसके कार्यान्वयन के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विधायक धर्मेश तोमर ने फीता काटकर किया शिविर का उद्घाटन

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी, के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सेवा पखवाड़ा के स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत आयोजित शिविरों की श्रृंखला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखुवा में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक धर्मेश तोमर, द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विधायक द्वारा शिविर में आए लोगों को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही विधायक के द्वारा चार आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया एवं 10, क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। शिविर में आए लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई एवं औषधि वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी, स्वास्थ्य शिविर के नोडल अधिकारी

डॉ राजेश सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखुवा के चिकित्सा अधीक्षक डॉ शेखर सिंह, आयुष्मान भारत योजना के जिला कॉर्डिनेटर डॉ जाहिर, एवं जिला पी0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी, उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित हुई इसमें विशिष्ट अतिथि आशुतोष भल्ला, भी शामिल रहे। प्रोत्साहन समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने खिलाड़ी की समस्याएं सुनी और साथ ही उनका निस्तारण किया सरकार के द्वारा खिलाड़ियों के लिए किया योजनाएं एवं सुविधाएं प्रदान कराई जा रही हैं इसके संदर्भ में माह अक्टूबर में एक वर्कशाप आयोजित करने का निर्देश उप क्रीड़ा अधिकारी को दिया। जिसमें जनपद के सभी स्तर के खिलाड़ी एवं सचिव प्रतिभाग करेंगे इसके साथ ही आशुतोष भल्ला, के द्वारा स्टेट लेवल के एथलीट को उपकरण की सुविधा प्रदान करने का भी आश्वासन दिया एवं खिलाड़ियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, जिला, विद्यालय निरीक्षक, विभिन्न खेलों के सचिव एवं खिलाड़ी आदि मौजूद रहें।

गांव में जर्जर हैंडपंप, ग्रामीण पानी के लिए परेशान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बहजोई क्षेत्र के गांव अकबरपुर में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव के दो हैंडपंप जर्जर हालत में हैं, जिसके कारण ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान ब सचिव से भी शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। स्थानीय निवासियों ने बताया कि हैंडपंप खराब होने के कारण उन्हें पानी की काफी किल्लत है जिससे विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को मुश्किल हो रही है। इस मुद्दे पर बार-बार गुहार लगाई गई, लेकिन उनकी ओर से भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द हैंडपंपों की मरम्मत कराई जाए या नए हैंडपंप स्थापित किए जाएं, ताकि गांव में पेयजल की समस्या का समाधान हो सके।

खबर का असर, ग्राम प्रधान ने सरकारी नलों में तुरंत कराया सुधार ग्रामीण खुश

सरकारी हेड पंप खराब, ग्रामीण शुद्ध पानी के लिए तरसे

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड बहजोई के अंतर्गत ग्राम मिजार्पुर नसरूल्लाहपुर में सरकारी धन से लगाए गए हेड पंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिसके कारण ग्रामीण शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं। गर्मी और उमस के इस मौसम में पानी की किल्लत ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नाराज ग्रामीणों ने गांव में एकत्रित होकर मीडिया के सामने प्रदर्शन किया और प्रशासन से खराब हेड पंपों को तत्काल ठीक कराने की मांग की। ज्ञात रहे कि गांव में स्थापित अधिकांश हेड पंप कई महीनों से खराब हैं, और प्रशासन की ओर से इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। एक ग्रामीण ने बताया, हेड पंप खराब होने के कारण हमें दूर-दूर तक पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं। शुद्ध पानी न मिलने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। दूसरे ग्रामीण ने कहा, हमने कई बार जिम्मेदार लोगों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। आखिर हमें प्रदर्शन करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने नारेबाजी कर प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही हेड पंपों की मरम्मत नहीं की गई, तो वे बड़ा प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने मांग की कि खराब हेड पंपों को ठीक करने के साथ-साथ गांव में नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था भी की जाए। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को उजागर करती है। ग्रामीणों की मांग है कि सरकार न केवल खराब हेड पंपों को ठीक करे, बल्कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए स्थायी समाधान भी निकाले। फिलहाल, मिजार्पुर नसरूल्लाहपुर के ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के विकास खंड बहजोई के ग्राम मिजार्पुर नसरूल्लाहपुर में दो सरकारी हैंडपंपों की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में काफी समय से नाराजगी थी। इस समस्या को सब का सपना दैनिक समाचार पत्र की टीम ने गंभीरता से उठाया और 29 सितंबर को मौके पर जाकर हैंडपंपों की बदहाल स्थिति को उजागर किया। खबर के प्रकाशन के बाद इस मुद्दे ने तूल पकड़ा, जिसका असर तत्काल देखने को मिला। ग्राम प्रधान ने बिना देरी किए दोनों खराब हैंडपंपों को ठीक कराने की कार्रवाई शुरू कर दी, और अब दोनों हैंडपंप पूरी तरह कार्यरत हैं। ग्राम प्रधान ने बताया, हमें जैसे ही इस समस्या की जानकारी मिली, हमने तुरंत कार्रवाई की। दोनों हैंडपंप अब पूरी तरह ठीक हैं, और ग्रामीणों को अब पानी की कोई दिक्कत नहीं होगी। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के इस त्वरित कदम और समाचार पत्र की सजगता की जमकर सराहना की। स्थानीय निवासियों ने कहा, हमारी समस्या को अखबार ने उठाया, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई हुई। अब हमें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा। हम ग्राम प्रधान और समाचार पत्र की टीम के आभारी हैं। ग्राम मिजार्पुर नसरूल्लाहपुर के लोगों में अब खुशी का माहौल है, और वे अपने गांव में बेहतर सुविधाओं की उम्मीद कर रहे हैं।

जनपद भर में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत किया गया कन्या पूजन

जनपद के चारों ब्लॉकों व तीनों नगर पालिकाओं में भी किया गया कन्या पूजन का कार्यक्रम

कार्यक्रम में पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, खेल, समाज में अच्छा कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

हापुड़ (सब का सपना):- मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह, की उपस्थिति में नगर पालिका परिषद हापुड़ के अधिशासी अधिकारी संजय मिश्रा, के द्वारा दुर्गा अष्टमी के अवसर पर कन्या-पूजन (मेगा इवेन्ट) कार्यक्रम का आयोजन सदर विधायक विजयपाल आढ़ती, की अध्यक्षता में गढ़ रोड़ स्थित मनोहर रीजेन्सी हापुड़ में आयोजित किया गया। जिसके द्वारा समाज में बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से दुर्गा अष्टमी के अवसर पर जनपद के प्रत्येक ब्लॉक व नगर पालिका परिषद में जिलाधिकारी जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में कन्या-पूजन व उनके लिये प्रसाद, फूड पैकेट आदि वितरण तथा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, खेल, समाज में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को बालिकाओं के लिये लाभप्रद बनाने हेतु महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉनसरशिप आदि की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे महिलाओं की सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नम्बर 1090, वूमेन पावर 181, महिला हेल्पलाइन 1076मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,1098, चाइल्डलाइन, 1930, साईबर हेल्पलाइन, 101, अग्नि शमन सेवा, 108, एम्बुलेन्स सेवा की जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का संचालन राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज की प्रधानाचार्य शैलजा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका परिषद कार्यालय तथा पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

अभीपुर नगौला में पं0 दीन दयाल उपाध्याय में पशु शिविर /मेले का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- ग्राम अभीपुर नगौला विकास खण्ड हापुड़ में पं० दीन दयाल उपाध्याय शिविर /मेला का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य पशु चिकित्साधिकारी हापुड़, डा० ओ० पी० मिश्रा, डा० ओमवीर सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर हापुड़, डा० मनोज साहू , पशु चिकित्साधिकारी नूरपुर एवं लोकेश कुमार, ग्राम प्रधान अभीपुर नगौला, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मेला में कुल 285, पशुओं की बांझपन एवं सामान्य चिकित्सा की गई जिसमें 224, बड़े एवं 61, छोटे शामिल थे। मेला में उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर हापुड़ द्वारा पशुओं को बदलते मौसम में पशुओं के रख रखाव की जानकारी दी गई साथ पशुओं को बाहय परजीवी नाशक दवाईयों का वितरण निःशुल्क किया गया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी जनपद हापुड़ में पशुपालकों को पशुपालन विभाग की योजना की जानकारी से अवगत कराया साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी दी गई। पशुपालक गोष्ठी में किलनी एवं चिचंडी से बचाव एवं दवापान की विस्तृत जानकारी पशुपालकों को दी गई एवं गोवंश को निराश्रित ना छोड़ने हेतु किसानों से विनती की गई तथा यह सुझाव भी दिये गये कि पशुओं को बांझपन से कैसे बचाया जाये। पशुओं को हमेशा मिनरल मिक्चर एवं प्रति चार माह पश्चात पेट के कीड़े की दवा खिलाने की अपील की गई ताकि पशु समय से गर्भित हो और अच्छा दूध उत्पादन हो और सड़को एवं खेतों में घूम रहे निराश्रित गौवंश की संख्या भी कम हो।

दिल्ली के सीआर पार्क पंडालों में उमड़ी भीड़, सड़कों पर लगा जाम; कई जगह रूट डायवर्जन से हुई परेशानी

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क और ग्रेटर कैलाश में चल रही दुर्गा पूजा के पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते सोमवार को सड़कों पर भीषण जाम के हालात बने रहे। सीआर पार्क में विभिन्न पंडालों में आने वाले लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर एहतियातन वाहनों के प्रवेश पाबंदी लगा दी गई है। सिर्फ स्थानीय लोगों को ही रेजीडेंस प्रूफ दिखाने के बाद यहां जाने की इजाजत दी जा रही है। इसके चलते वाहनचालकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक एडवाइजरी जारी होने के बावजूद लोग वाहन लेकर आउटर रिंग रोड़ पर आते रहे जिसके कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया। यही हालात फिलहाल दशहरे तक बने रहने की संभावना है। दरअसल, सीआर पार्क में बी ब्लाक, मेला ग्राउंड, काली मंदिर, द कोआपरेटिव ग्राउंड सहित विभिन्न जगहों पर दुर्गा पूजा के भव्य आयोजन किए जा रहे हैं। पंडालों में सुबह से शाम तक दिल्ली सहित एनसीआर से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसे लेकर रविवार से ट्रैफिक पुलिस की ओर से कई जगह रूट भी डायवर्ट किए गए हैं। वहीं कई अंदरूनी सड़कों पर दो अक्टूबर तक वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। सोमवार शाम को आउटर रिंग रोड पर नेहरू प्लेस से चिराग दिल्ली जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लगा रहा। सीआर पार्क के पंडालों में घूमने आए लोगों ने ईपीडीपी रोड़ पर ही अपने वाहन खड़े कर दिए थे, जिसके कारण रोड़ संकरा होने से यहां पर भी जाम के हालत बने रहे। इसके चलते सीआर पार्क, कालकाजी और ग्रेटर कैलाश जाने वाले स्थानीय लोगों को खासी परेशानी हुई।

रामलीला के दौरान लंका दहन का किया गया मंचन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- श्री रामलीला नाट्य परिषद चन्दौसी द्वारा अष्टमी नवरात्रि के दिन रामबाग धाम के विशाल पावन मंच पर श्री राम हनुमान मिलन-लंका दहन की लीला का आयोजन किया गया। लीला का आयोजन स्व0 रुक्मणी देवी एवम स्व0 सेठ महेंद्र पाल जी पंसारी की पावन स्म्रति में उनके पुत्र सुरेश चंद्र गुप्ता, प्रकाश चंद्र गुप्ताऔर समस्त परिवार के द्वारा फीता काटकर सुभारम्भ किया गया। रामलीला में श्री राम (प्रतीक) और लक्ष्मण (हर्षित) माता जानकी (प्रियंका) को ढूंढते हुए किष्किंधा पर्वत की ओर बढ़ते हैं जहाँ सुग्रीव (उमंग) उन्हें शत्रु मानकर हनुमानजी (हीरालाल) को भेष बदलकर भेद लेने के लिए भेजते हैं। हनुमानजी उनसे आने का कारण जान लेते हैं और उन्हें अपने साथ सुग्रीव के पास ले जाते हैं। सुग्रीव भी अपनी व्यथा सुनाते हैं और राम जी अपनी । दोनों एक दूसरे की सहायता करने का संकल्प लेते हैं। बाली (राज बिहारी) और सुग्रीव का युद्ध होता है जहाँ राम बाली का अंत कर देते हैं और सुग्रीव को राजा बना देते हैं। सुग्रीव अपने दल को सीता जी की खोज में चारों दिशाओं में भेज देते हैं। जहां सागर किनारे उन्हें जटायु मरणासन्न अवस्था में मिलता है और उन्हें बताता है कि सीता को रावण अपनी नगरी लंका ले गया है। हनुमानजी सागर पार करके लंका पहुचते हैं और वहाँ उनकी भेट विभीषण (वंश) से होती है वो हनुमानजी को सीता तक पहुंचने का रास्ता बतलाते हैं। हनुमानजी की मुलाकात सीता जी से होती है रावण (गोविंद किशोर) के पुत्र मेघनाथ (प्रवर) उनको दरबार में बांध कर ले आता है। जहाँ हनुमानजी की पूंछ में आग लगा दी जाती है। और हनुमानजी कूद कूद कर सारी लंका को आग लगा देते हैं और सारी सोने की लंका जलकर खाक हो जाती है। श्रीरामलीला नाट्य परिषद की ओर से सभी यजमानों का माला, पटका, पगड़ी, पहना कर सम्मान किया गया। और एक श्री राम चरित मानस और गंगोत्री से लाया हुआ पवित्र गंगाजल उपहार स्वरूप भेट किया गया। प्रधान गिरराज किशोर, नवीन चौधरी, कपिल राजा, प्रदीप शर्मा, संजीव वार्ष्णेय, ओमेंद्र वार्ष्णेय, प्रमोद गुरु, महेश वार्ष्णेय, संजीव परचूनी,वासु गुप्ता, सिद्धार्थ वार्ष्णेय, प्रियंक वार्ष्णेय, कन्हैया लाल, नवीन दरोगा, सतीश चंद्र, दीपक सोनू, धीरेंद्र डिब्बे वाले, प्रियंक वार्ष्णेय, कृष्णा डीजे, सोनू , रितिक वार्ष्णेय, किशनपाल मुंशी मुकुल शर्मा और दिव्यांशु नारायण आदि कलाकार और पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन अमित अप्पू ने किया।

दिल्ली-ठउफमें बदला मौसम का मिजाज, झील बनी गुरुग्राम की सड़कें और बढ़ गई लोगों की टेंशन

दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में अचनाक मौसम बदल गया और कई इलाकों में वर्षा भी शुरू हो गई है। कुछ इलाकों में तेज बारिश भी हो रही है। जानकारी के अनुसार, पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में भी हल्की वर्षा शुरू हो गई है। उधर, बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। उधर, नोएडा और गाजियाबाद में भी तेज बारिश हो रही है। वहीं, तेज बारिश से मास्टर प्लान रोड शास्त्री नगर के पास पानी भर गया है। जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि पांडव नगर के नजदीक अंडरपास में जलभराव हुआ है। वहीं, विनोद नगर के पास एनएच-9 की सर्विस रोड पर भी जलभराव हुआ है। गुरुग्राम में भी तेज वर्षा से मौसम बदल गया है। शहर के कई हिस्सों में जलभराव होने लगा है। वहीं, साइबर सिटी की सड़कों पर बारिश का पानी भरा हुआ है। गुरुग्राम में साइबर सिटी में दिन में ही अंधेरा छा गया। अचानक मौसम बदला और ठंडी हवाओं के साथ आसमान काली बदरा में तब्दील हो गया। कई दिनों की तेज धूप और गर्मी के बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया।

न्यू शाइनिंग स्टार क्लब की एकल नृत्य प्रतियोगिता में मिस्टी ने मारी बाजी

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- न्यू शाईनिंग स्टार क्लब चंदौसी द्वारा शारदीय नवरात्रों के उपलक्ष्य में रामबाग धाम के विशाल रंगमंच पर लगातार चतुर्थ बार एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन रामबाग धाम पर किया गया। सर्वप्रथम निर्णायक मंडल ने फीता खोलकर किया कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद सरस्वती माता की फोटो के आगे दीप प्रजलित कर माता का आशीर्वाद लिया गया। उसके बाद क्लब के संरक्षक अंशुल टनाटन समाजसेवी, रवि पत्थर वाले, अखिलेश कुमार खिंलाड़ी, सौम्य अग्रवाल सेठ जी, विष्णु अग्रवाल जी मेंथा वाले, मौसम गुप्ता, भुवनेश वार्ष्णेय मेंथा वाले, विकास मेंथा, एडवोकेट अनुज अग्रवाल वेव, अर्चित अग्रवाल, अंकित जैन, डॉ वीरेश कुमार आदि ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पण कर प्रतियोगिता का आरम्भ करने का आगाज किया। प्रतियोगिता लगभग 30 बच्चों प्रतिभाग किया। सभी बच्चों की आय सीमा 5 से 12 वर्ष के अंतर्गत थी। कार्यक्रम को देखकर सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। निर्णायक मंडल में डॉ कविता गुप्ता एंव हिमानी चन्द्रा रही। कार्यक्रम का संचालन दर्गा टंडन और सर्वेश चीनी ने किया। कार्यक्रम में अनिल गरु, अमर वार्ष्णेय का मुख्य सहयोग रहा। सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार में एक एक गिफ्ट, फ्रेम किया हुआ प्रशस्ति पत्र, ङ्100 का नगद लिफाफा, एक स्वीट्स का पैकेट, ब्रांडेड दीवार घड़ी, क्रोकरी का सेट दिया गया। विजेताओं की घोषणा देर रात की गईं जिसमें प्रथम स्थान मिस्टी कोली ने जंबो स्पीकर, द्वितीय स्थान पर रुचि देवी ने मीडियम स्पीकर एवं तृतीय स्थान पर मिस्टी वार्ष्णेय ने जूनियर स्पीकर जीतकर अपनी जीत का परचम लहराया। क्लब द्वारा सभी मीडिया बंधुओं, संरक्षक मंडल, विशेष सहयोगियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए न्यू शाइनिंग स्टार क्लब के अध्यक्ष हनी चन्द्रा पत्रकार, महामंत्री आलोक वार्ष्णेय, सिंह कोषाध्यक्ष सचिन दयाल, उपमंत्री आर्यन वार्ष्णेय, अभिनव शर्मा, निखिल गुप्ता , ग्रीश शर्मा, सुभाष चंद्रा, अक्षय वार्णेय, प्रवीण कुमार शर्मा आदि की मुख्य सहयोग रहा।

भ्रष्टाचार मामले में LG वीके सक्सेना का तगड़ा एक्शन, डीडीए के ASO पर गिरी गाज

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भ्रष्टाचार के आरोप में डीडीए के सहायक सचिव की सेवा समाप्त कर दी है। वर्ष 2020 में सफदर जंग एन्क्लेव में भूमि आवंटन मामले में यह कार्रवाई की गई है। बताया गया कि इस साल की शुरूआत में इसी मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डी डीएके एक सहायक निदेशक को भी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

मैजिक की टक्कर से भानपुर रेलवे फाटक का बूम टूटा

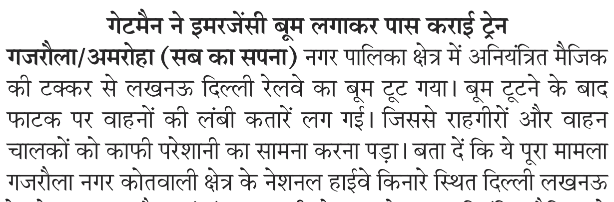

गेटमैन ने इमरजेंसी बूम लगाकर पास कराई ट्रेन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) नगर पालिका क्षेत्र में अनियंत्रित मैजिक की टक्कर से लखनऊ दिल्ली रेलवे का बूम टूट गया। बूम टूटने के बाद फाटक पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि ये पूरा मामला गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे किनारे स्थित दिल्ली लखनऊ रेलवे लाइन का है जहां मंगलवार की दोपहर को एक अनियंत्रित मैजिक ने नगर के भानपुर रेलवे फाटक के बूम को टक्कर मारकर तोड़ दिया। बता दें कि गेटमैन वैद प्रकाश ने मुरादाबाद की दिशा से आ रही रनथ्रू ट्रेन को पास कराने के लिए फाटक बंद कर रखे थे। इस दौरान इंदिरा चौक की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार टाटा मैजिक ने बूम को टक्कर मार दी जिससे बूम क्षतिग्रस्त होकर टूट गया। इसके बाद गेटमैन ने तत्काल इमरजेंसी बूम लगाकर ट्रेन को सुरक्षित पास कराया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ के एस आई आशीष कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे जिन्होंने बूम तोड़ने वाले टाटा मैजिक वाहन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया। आरपीएब टीम ने टेक्नीशियन टीम को मौके पर बुलाकर बूम की मरम्मत का काम शुरू कराया। इस दौरान फाटक से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आरपीएफ की टीम इस मामले में आगे की कार्यवाही कर रही है ।टाटा मैजिक के चालक विजेंद्र यादव ने बताया कि वह बरेली से एक ऑनलाइन कंपनी के कोरियर लेकर गजरौला आया था भानपुर फाटक के पास लौटते समय यह हादसा हो गया।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में शारदीय नवरात्रों में डाँडिया एवं गरबा-2025 की धूम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान में शारदीय नवरात्रि-2025 में डाँडिया एवं गरबा-2025 की धूम रही। संस्थान के स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओ ने परम्परागत धार्मिक लोकगीतो के साथ धार्मिक फिल्मी गानो पर जमकर डाँडिया एवं गरबा किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यश श्री सुधीर गिरि ने समस्त देशवासियों को नवरात्रों एवं विजयदशमी की शुमकामनाएं देते हुए नवरात्रि उत्सव को ना सिर्फ धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव बताया, बल्कि इसे महिला सशक्तीकरण एवं बुराई पर अच्छाई की जीत का सबसे बड़ा महापर्व करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत में सदियो से मातृशक्ति सम्मानित एवं पूज्यनीय रही है, एवं अनन्त काल तक पूज्यनीय रहेगी। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान के दुर्गा पंडाल में आयोजित नवरात्रि डाँडिया एवं गरबा सेलीब्रेशन-2025 का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष कुमार पाण्डेय, मुख्य पुरोहित आचार्य पं0 रामनिवास शास्त्री आदि ने माँ दुर्गा एवं सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आरती करके एवं दीप प्रज्जवलन द्वारा किया। इसके बाद सर्वप्रथम घर में पधारे गजानन जी गणेश वन्दना से कार्यक्रम शुरू हुआ, तो फिर ढोली तारो ढोल बाजे, चैगाडा तारो, ढोलीडा ढोलीडा, राम चाहे लीला चाहे, लीला चाहे राम जैसे धार्मिक फिल्मी गीतो पर डाँडिया स्टिक लेकर जमकर नृत्य किया। अपने सन्देश में वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यश श्री सुधीर गिरि ने कहा कि नवरात्रि उत्सव में डाँडिया एवं गरबा नृत्य ना सिर्फ हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, बल्कि यह मातृशक्ति सम्मान एवं बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि भारतीय परम्परा में सदियो से मातृशक्ति पूज्यनीय रही है एवं अनन्तकाल तक रहेगी। मातृशक्ति के बिना सृष्ठि का कोई बजूद ही नहीं है। नवरात्रि समारोह को कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 मंजरी राणा, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 ओमप्रकाश, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 आशुतोष, डायरेक्टर लीगल देव प्रताप सिंह, डॉ0 मोहित शर्मा, एस0एस0 बघेल, नागेन्द्र प्रताप सिंह, प्रीतपाल, मेरठ परिसर से निदेशक प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रेंड पर अनिल विज का हमला: टूलकिट के जरिए देश में अशांति फैलाने की कोशिश

चंडीगढ़: हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने 'आई लव मोहम्मद' ट्रेंड पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश की शांति के खिलाफ एक साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि किसी को किसी से प्रेम हो, इसमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर इसकी आड़ में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश की जाए तो यह स्वीकार्य नहीं है। विज ने कहा, कोई किसी से लव करे, किसी को एतराज नहीं है, लेकिन प्रतीत हो रहा है कि टूलकिट के माध्यम से देश में अशांति पैदा करने के नए प्रयोग किए जा रहे हैं। लखनऊ में 'I Love Mohammad' के होर्डिंग्स लगना और कांग्रेस की इसमें भूमिका, यह सब एक साजिश का हिस्सा लगते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर इस ट्रेंड की आड़ में पत्थरबाजी, फायरिंग या दंगे भड़काए जाएं, तो यह देश की शांति और कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी पर भी साधा निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बीजेपी को वोट चोर और अब पेपर चोर कहे जाने पर अनिल विज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कुछ बच्चों की भाषा बचपन में ही गंदी हो जाती है, और वे अच्छी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते। राहुल गांधी को क्या कहना है, वह खुद ही समझें, लेकिन उनका यह स्तर देश की राजनीति को शोभा नहीं देता। विज ने

राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह बार-बार "वोट चोरी" का शोर मचाते हैं लेकिन आज तक एक भी ऐसा मामला नहीं बता पाए जिसमें वोट चोरी हुई हो। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। इंदिरा गांधी का चुनाव ही फर्जी वोटिंग के आरोप में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा रद्द कर दिया गया था। और उसी के बाद उन्होंने आपातकाल (Emergency) लगा दी थी। कांग्रेस का इतिहास ही लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली से खिलवाड़ का रहा है।

अपराध को लेकर भी दी सफाई

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा कि हरियाणा में अपराध चरम पर है। इस पर अनिल विज ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर अपराध नियंत्रण को लेकर सदैव सतर्क और सक्रिय रहते हैं। प्रशासन को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की पूरी छूट दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर सुरजेवाला अखबार पढ़ते या टीवी चैनल्स देखते, तो उन्हें पता चलता कि हाल ही में कई अपराधियों को धाराशायी किया गया है।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी: थाने पहुंचे कांग्रेस नेता, बीजेपी प्रवक्ता पिंटू महादेव पर एफआईआर की मांग

बहादुरगढ़ : नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी मामले में कांग्रेस ने भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महादेव ने 27 सितंबर 2025 को केरल में एक न्यूज चैनल पर लाइव बहस के दौरान खुलेआम कहा कि राहुल गांधी को सीने में गोली मारी जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि यह महज राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि विपक्ष के शीर्ष नेता राहुल गांधी की हत्या के लिए सीधा उकसावा है। राहुल गांधी पहले से ही उच्च सुरक्षा जोखिम में हैं और CRPF कई बार अलर्ट जारी कर चुकी है। ऐसे में भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा इस तरह का बयान देना लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधा हमला है।

हरियाणा युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव प्रदीप यादव, झज्जर जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप दहिया, बहादुरगढ़ हलका अध्यक्ष धर्मेंद्र राणा, शहरी अध्यक्ष पंकज फोगाट, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वेद प्रधान और युवा कांग्रेस नेता वरुण राठी ने संयुक्त रूप से पुलिस आयुक्त को शिकायत सौंपी। शिकायत में कहा गया है कि भाजपा प्रवक्ता का यह बयान भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की कई धाराओं के तहत अपराध है। इनमें धारा 351 (आपराधिक धमकी), धारा 352 (मौत की धमकी देने पर सजा), धारा 115 (मृत्युदंड या आजीवन कारावास योग्य अपराध के लिए उकसावा), धारा 196 (जनता में उपद्रव फैलाने वाला बयान), धारा 197 (वैमनस्य, नफरत या दुर्भावना फैलाना) और धारा 61 (आपराधिक साजिश) शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि पुलिस तत्काल एफआईआर दर्ज करे और भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

रिंकू हुड्डा बने वर्ल्ड चैंपियन, 66.37 मी. दूर भाला फेंक जीता स्वर्ण पदक

हरियाणा : विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन यानी सोमवार को भारत के रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक एफ-46 स्पर्धा में इतिहास रच विश्व खिताब अपने नाम किया। रिंकू ने 66.37 मीटर दूर भाला फेंककर न केवल गोल्ड मेडल जीता, बल्कि विश्व रिकॉर्डधारी हमवतन सुंदर सिंह गुर्जर को भी पीछे छोड़ दिया। गुर्जर को इस स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जिन्होंने 64.76 मीटर की दूरी तय की।

इस स्पर्धा में एक अन्य भारतीय एथलीट अजीत सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वे 61.77 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। वहीं, क्यूबा के गिलर्मो वरोना गोंजालेज ने 63.34 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक अपने नाम

किया। रिंकू हुड्डा की यह उपलब्धि केवल खेल जगत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

3 साल में कट गया था हाथ

हरियाणा के रोहतक के पास स्थित एक गांव से ताल्लुक रखने वाले रिंकू ने बचपन में एक गंभीर हादसे का सामना किया था। जब वे महज तीन साल के थे, तब उनका हाथ एक पंखे के ब्लेड में आकर बुरी तरह घायल हो गया था। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और आज उन्होंने दुनिया के मंच पर तिरंगा लहराकर यह साबित कर दिया कि संकल्प और संघर्ष से कुछ भी संभव है।

सीएम सैनी ने दी बधाई

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रिंकू को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि हरियाणा के सपूत ने एक बार फिर खेल के मैदान पर तिरंगे की शान बुलंद की है। पैरा विश्व चैम्पियनशिप में हरियाणे के धाकड़ खिलाड़ी रिंकू हुड्डा ने 66.37 मीटर भाला फेंकते हुए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि न केवल हरियाणा बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है।

आगे सीएम ने लिखा कि हरियाणा की धरती सदैव खेल प्रतिभाओं की जननी रही है। यहाँ के खिलाड़ी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद हार न मानते हुए इन्होंने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा और जज्बे का लोहा मनवाया है।

मनसा देवी मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा 'छोटा हाथी' पलटा, एक की मौत, 26 घायल

पंचकूला : श्री मनसा देवी मंदिर से लौटते हुए श्रद्धालुओं से भरे एक छोटे हाथी के पंचकूला सेक्टर 3 के निकट पलट गई। इस हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई और लगभग 26 लोग घायल हो गए। यह हादसा रात करीब 1 बजे हुआ, जब श्रद्धालु जीरकपुर से श्री माता मनसा देवी मंदिर का माथा टेककर लौट रहे थे। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सेक्टर 6 के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से गंभीर रूप से घायल कई श्रद्धालुओं को चंडीगढ़ के पीजीआई रेफर किया गया है। सभी घायल जीरकपुर के बताए जा रहे हैं। पंचकूला सेक्टर 21 पुलिस चौकी इंचार्ज दीदार सिंह ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, छोटा हाथी फ्लाईओवर से नीचे उतरते हुए अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। मौके पर मौजूद पुलिस और मेडिकल टीम द्वारा घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक श्रद्धालु की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे को लेकर चौकी इंचार्ज दीदार सिंह ने बताया कि छोटा हाथी यानी टैंपो में क्षमता से ज्यादा सवारियां हादसे का कारण बनी हैं। इसके कारण चालक ढलान में अपना नियंत्रण नहीं रख पाया और ब्रेक लगाकर रोकने के चक्कर में टैंपो पलट दिया। घायलों के बयान पर टैंपो ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया जाएगा।

यहां रावण जलते ही बुझ जाती है रसोई, नहीं बनता खाना , पीढ़ियों से चली आ रही ये अनोखी परंपरा

यमुनानगर : विजयदशमी के त्यौहार पर पूरा देश रावण दहन की धूम में डूबा होता है। मगर इसी उत्सव के बीच एक ऐसा परिवार है, जिसके लिए यह दिन खुशियों से ज्यादा भावनाओं का प्रतीक है। जी हां, हम बात कर रहे हैं मनचंदा परिवार की, जो चार-पांच पीढ़ियों से रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले बनाता आ रहा है।

मनचंदा परिवार, जिनके हाथों के हुनर से दशहरे की शाम रंगीन होती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह परिवार रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के विशालकाय पुतले तैयार करता आ रहा है। यह इनका पेशा भी है और परंपरा भी। लेकिन पुतले बनाने वाले इस परिवार की कहानी उतनी ही अनोखी है, जितना कि उनका काम। त्योहार की रौनक इनके हुनर के बिना

अधूरी है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि दशहरे के दिन इनके घर में न रसोई जलती है, न ही खाना बनता है। परिवार का मानना है कि जब रावण जलता है, तो उन्हें ऐसा लगता है मानो उनका कोई अपना बिछड़ गया हो। मनचंदा परिवार रावण को अपना गुरु मानता है।

चौथी और पांचवीं पीढ़ी रावण के पुतलों की अंतिम तैयारियों में जुटी हुई है। पिता महेंद्र मनचंदा और बेटे पंकज मनचंदा का कहना है कि छठी पीढ़ी के बच्चे भी अपनी इच्छा से जितना उनसे बन पाता है, उतना सहयोग करते हैं। हर साल मनचंदा परिवार ही यमुनानगर में रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के लगभग 70 फीट ऊंचे पुतले बनाने का काम करता है।

खास बात यह है कि इनके बनाए पुतले बिना किसी सपोर्ट के खड़े किए जाते हैं। इन पुतलों को बनाने में लगभग 1 महीने का समय लग जाता है और यह काम पूरा परिवार मेहनत और शौक से करता है। पुतलों के लिए बाकायदा दर्जी से कपड़े भी सिलवाए जाते हैं और जब यह तैयार हो जाते हैं, तो इन्हें ढोल-नगाड़ों के साथ यानी राजाओं की शान और परंपराओं के मुताबिक दशहरा ग्राउंड में ले जाया जाता है, जहां विधिविधान से पूजा कर इनमें प्राण-प्रतिष्ठा की जाती है। मनचंदा परिवार रावण को अपना गुरु मानता है। ऐसे में जब रावण दहन होता है, तो इनका दिल उदास हो जाता है और दशहरे वाली रात इनके घर की रसोई नहीं जलती। आलम यह है कि विजयदशमी की रात बिना कुछ खाए-पिए ही सो जाना अब इस परिवार की परंपरा बन चुकी है।

इनेलो का कांग्रेस पर हमला: राव नरेंद्र सिंह की CLU सीडी फिर से की पेश, भ्रष्टाचार के आरोप दोहराए

चंडीगढ़: हरियाणा की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गई है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस की हालिया नियुक्तियों पर सवाल खड़े करते हुए एक बार फिर से तथाकथित उछव घोटाले से जुड़ी पुरानी वीडियो सीडी को मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए राव नरेंद्र सिंह पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और उन पर पहले से FIR दर्ज है। माजरा ने कहा कि हुड्डा सरकार में CLU (चेंज ऑफ लैंड यूज) को "उद्योग" बना दिया गया था और उसी दौरान राव नरेंद्र सिंह ने कथित तौर पर 30 से 50 करोड़ रुपये की मांग की थी। इस

मामले से जुड़ी एक पुरानी सीडी वीडियो को इनेलो ने एक बार फिर सार्वजनिक किया है। उन्होंने दावा किया कि यह मामला हरियाणा हाई कोर्ट में विचाराधीन है और राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ FIR भी दर्ज है। साथ ही, माजरा ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता विपक्ष और राव नरेंद्र सिंह को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस और भाजपा दोनों पर "सांठगांठ" का आरोप लगाया।

प्रेस को संबोधित करते हुए माजरा ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता विपक्ष और राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर वह दोनों को शुभकामनाएं देते हैं, लेकिन बधाई भाजपा को भी देनी चाहिए, क्योंकि यही नियुक्तियां भाजपा चाहती थी। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के बीच गुप्त सहमति का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को यह समझना चाहिए कि दोनों दल असल में एक ही सोच से संचालित हो रहे हैं।

रामपाल माजरा ने प्रेस के सामने एक बार फिर वह सीडी वीडियो जारी किया, जिसे इनेलो पहले भी 2013 में सार्वजनिक कर चुकी है। उनका दावा है कि वीडियो में राव नरेंद्र सिंह एक व्यक्ति से उछव मंजूरी के बदले 30 से 50 करोड़ रुपये की मांग करते दिख रहे हैंमाजरा ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पिछली सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में CLU एक उद्योग बन चुका था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हुड्डा सरकार ने स्काईलाइट हॉस्पिटेलिटी जैसी कंपनियों को बेशकीमती जमीनें सस्ते दामों पर अलॉट की थीं।

त्योहारी सीजन में हरियाणा से चलेगी स्पेशल ट्रेनें, रेलवे ने जारी किया शेड्यूल

हरियाणाः त्योहारी सीजन को देखते हुए ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ हो जाती है। हरियाणा में इन दिनों यात्रियों भारी भीड़ बढ़ जाती है। इसके चलते रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। रेलवे का कहना है कि इन ट्रेनों को अक्टूबर और नवंबर के महीने में संचालित किया जाएगा। इन ट्रेनों का संचालन होने से यात्रियों को काफी सहूलियत होगी और उनका सफर भी सुगम बनेगा। इसे लेकर उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने जानकारी दी है। ये स्पेशल ट्रेन संचालित चलेंगी मदार-रोहतक स्पेशल (गाड़ी नंबर 09639)- 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक रोज संचालित होगी। रोहतक-मदार स्पेशल (गाड़ी नंबर 09640)- 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक रोजाना चलाई जाएगी। हिसार-खड़की साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (गाड़ी नंबर 04725)- 12 अक्टूबर से 9 नवंबर तक हर रविवार को संचालित होगी। खड़की-हिसार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (गाड़ी नंबर 04726)- 13 अक्टूबर से 10 नवंबर तक हर सोमवार संचालित की जाएगी। ये साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलेंगी तिरुपति-हिसार (गाड़ी नंबर 07717)- 1 अक्टूबर से 26 नवंबर तक हर बुधवार चलेगी। हिसार-तिरुपति (गाड़ी नंबर 07718)- 5 अक्टूबर से 31 नवंबर तक प्रत्येक रविवार चलेगी। ओखा-शकूरबस्ती सुपरफास्ट (गाड़ी नंबर 09523)- 23 अक्टूबर से 25 नवंबर तक हर मंगलवार संचालित होगी। शकूरबस्ती-ओखा सुपरफास्ट (गाड़ी नंबर 09524)- 26 नवंबर तक हर बुधवार को चलेगी। भावनगर-शकूरबस्ती (गाड़ी नंबर 09257)- 28 नवंबर तक हर शुक्रवार चलाई जाएगी। शकूरबस्ती-भावनगर (गाड़ी नंबर 09258)- 29 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार संचालित होगी।

धान की खरीद शुरू न होने पर किसानों ने जताया रोष, मार्केट कमेटी के गेट किए बंद

करनालः पूरे प्रदेश में धान की खरीद तारीख भले ही सरकार ने 1 अक्टूबर से पहले कर दी हो, लेकिन मंडी में हकीकत कुछ और है। अभी तक धान की खरीद शुरू नहीं हुई है, जिसको लेकर किसानों में काफी रोष देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में आज किसान नेता करनाल की अनाज मंडी के मार्केट कमेटी का गेट के बाहर बैठ गए। उसके बाद उन्होंने मंडी में प्रदर्शन किया और मार्केट कमेटी के दोनों गेट बंद कर दिए। किसानों ने गेट बंद करने के लिए अपने परने का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं उसके बाद किसान नेताओं ने मार्केट कमेटी के गेट के बाहर ही धरना प्रदर्शन भी शुरू कर दिया। किसानों ने प्रदर्शन के दौरान दो मांगें रखी जा रही हैं। उनका कहना है कि डिजिटल कांटा शुरू होना चाहिए,

ताकि जो तोल में दिक्कत आती है या घपले बाजी होती है वो नहीं होगी और अपनी बात मार्केट कमेटी के अधिकारियों तक पहुंचा रहे हैं, क्योंकि उनकी तरफ से ये लापरवाही बरती जा रही है, जिसके कारण अभी तक मंडी में आढ़ती डिजिटल कांटा लेकर नहीं आए हैं। दूसरी मांग ये की कि जल्द से जल्द धान की खरीद शुरू हो, क्योंकि धान मंडियों में आ चुकी है। लेकिन मंडी में ना ही खरीद एजेंसी पहुंच रही हैं और ना ही खरीद हो रही है, जिसके चलते किसान परेशान है। अगर खरीद एजेंसी धान नहीं खरीदेगी तो किसानों को कम दामों पर अपनी धान बेचनी पड़ेगी, जिसको लेकर किसान नेताओं ने प्रदर्शन भी किया और मार्केट कमेटी के गेट को बंद भी किया और बाहर धरना भी शुरू कर दिया। देखना ये होगा कि इनकी मांगों पर कब तक विचार होता है और असल में मंडी में धान की खरीद कब तक शुरू होती है।

महिला पुलिसकर्मी ने बस कंडक्टर को जड़ा थप्पड़, गुस्साए रोडवेज कर्मचारियों का जमकर हंगामा

यमुनानगर : यमुनानगर के बस स्टैंड पर आज मामूली कहासुनी को लेकर एक महिला पुलिस कर्मचारी ने रोडवेज बस के कंडक्टर को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद बस स्टैंड पर जमकर गम हुआ। रोडवेज कर्मियों का आरोप है कि मौके पर पहुंचे एसएचओ ने भी परिचालक से अभद्रता करते हुए उसे थाने ले जाने की बात कही। गुस्साए रोडवेज कर्मियों ने बस स्टैंड पर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए बस परिचालक रामफल ने बताया कि हरिद्वार से हिसार जा रही बस का यमुनानगर बस स्टैंड पर स्टॉपेज था। जब वह बस को काउंटर पर लगा रहे थे तो बीच में एक बाइक खड़ी थी। जब उन्होंने इसे हटाने को कहा तो बाइक वाले महिला और पुरुष ने उससे झगड़ा करना शुरू कर दिया। महिला पुलिसकर्मी ने मारा थप्पड़ परिचालक ने बताया कि इस कहासुनी के बीच महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए उसे थप्पड़ मारा। वहीं उसके साथ व्यक्ति ने भी मारपीट की। बिफरे कर्मियों ने बस स्टैंड पर हंगामा शुरू कर दिया। रोडवेज कर्मियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मौके पर पहुंचे एसएचओ ने भी उनसे अभद्रता करते हुए उसे थाने ले जाने की बात कहने लगे। इस बात से गुस्साए रोडवेज कर्मियों ने बस स्टैंड पर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। 3 घंटे तक लगातार हंगामा जारी रहा। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने पुलिस वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस हंगामें से सवारियों को काफी दिक्कत का सामना कर पड़ रहा है।

बिजली कर्मचारियों का कल होगा खास एग्जाम, पास नहीं हुए तो होगा बड़ा नुकसान

चंडीगढ़ : प्रदेश में उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम (UHBVN) तकनीकी कर्मचारियों की सुरक्षा कोड परीक्षा आज आयोजित करेगा। यह परीक्षा 1 अक्तूबर को एनआईटी कुरुक्षेत्र में 2 शिफ्टों में ली जाएगी। इस परीक्षा में वे जूनियर इंजीनियर, लाइनमैन, सहायक लाइनमैन और फोरमैन शामिल होंगे जिन्होंने अब तक सुरक्षा कोड परीक्षा पास नहीं की है। नियमों के अनुसार परीक्षा पास न करने वाले कर्मचारियों की वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) अगली परीक्षा पास करने तक रोक दी जाती है। निगम की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक पहली शिफ्ट सुबह 11:30 से 12:30 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक होगी। परीक्षा में 50 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें प्रतिभागियों को सही विकल्प चुनना होगा। इस परीक्षा का उद्देश्य बिजली विभाग के कर्मचारियों में सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

दिवाली पर इन कर्मचारी को मिलेगा बड़ा तोहफा, बस 14 अक्तूबर है आवेदन की लास्ट डेट

चंडीगढ़ : प्रदेश सरकार ने दिवाली से पहले चतुर्थ श्रेणी (Group-D) कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। अब कर्मचारी 13 हजार रुपये तक का ब्याजमुक्त अग्रिम भुगतान ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें 14 अक्तूबर तक आवेदन करना होगा। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को त्योहार पर वित्तीय राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह सुविधा स्थायी और अस्थायी दोनों कर्मचारियों को मिलेगी, बशर्ते अगले 10 माह तक उनकी सेवा जारी रहने की संभावना हो। साथ ही, राशि मंजूर होने के लिए किसी स्थायी सरकारी कर्मचारी की जमानत आवश्यक होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अग्रिम ली गई रकम कर्मचारियों को 10 समान किस्तों में वापस करनी होगी।

'इब्तदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या', हुड्डा के नेता प्रतिपक्ष बनने पर विज ने कसा तंज

अंबाला : हरियाणा कांग्रेस ने करीब एक साल बाद अपना अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष चुना, जिस पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को निर्णय लेने में ही एक साल लग गया। विज बोले कि वैसे तो कांग्रेस सत्ता में आती नहीं, लेकिन यदि कभी ऐसा हुआ और पाकिस्तान से हमला हो जाए तो इनके फैसले लेने तक पाकिस्तानी सेना दिल्ली पहुंच जाएगी। नेता प्रतिपक्ष पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने शायराना अंदाज में कहा- "इब्तदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या"। एशिया कप में भारत की जीत और टीम द्वारा पीसीबी प्रमुख से ट्रॉफी लेने से इनकार करने पर विज ने इसे सही ठहराया। उन्होंने कहा कि 144 करोड़ भारतीयों के दिलों से मिली शील्ड ही सबसे बड़ी ट्रॉफी है, जो हाथ धार्मिक यात्रा पर गए लोगों का खून कर चुके हों, उन हाथों से ट्रॉफी लेना उचित नहीं। साथ ही सूर्यकुमार यादव द्वारा मैच फीस पहलगाम प्रभावित पीड़ितों को दान करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुछ पाकिस्तान-समर्थक राजनीतिज्ञों को इससे तकलीफ हुई, लेकिन यह देशहित में सराहनीय कदम है। विज ने दो टूक कहा कि कांग्रेस न विपक्ष की भूमिका निभा रही है और न ही देश की जिम्मेदार पार्टी साबित हो पा रही है।

करनाल में वैक्स बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, फैक्ट्री में रखे ड्रम और सिलेंडर में हुए धमाके

करनालः करनाल के कंबोपुरा गांव के पास एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे काफी नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन फैक्ट्री में रखे ड्रम और सिलेंडर में धमाके हुए। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। फैक्ट्री को खाली करा लिया गया था और सभी मजदूर सुरक्षित हैं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत की और आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। आग से काफी नुकसान हुआ है और पुलिस जांच में जुटी है कि आखिर आग कैसे लगी। पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। राहत की बात है कि किसी की जान नहीं गई है और सभी लोग सुरक्षित हैं। फैक्ट्री में आग लगने से सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। फैक्ट्री में रखे केमिकल और अन्य सामग्री की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम ने फैक्ट्री का निरीक्षण किया और आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फैक्ट्री के मालिक और प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है। आगामी दिनों में इस मामले में और भी जानकारी सामने आने की संभावना है।

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतनाही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमायर यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

चीन ओपन: कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिन्नर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लीर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इगा स्वियाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्वियाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफ़सोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती हैं। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्वियाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रही और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नोमेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छोड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग- चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे।

उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनान वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी। काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है। उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंये यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है—यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेश: सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।÷ उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

स्वमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थीं। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्विमसूट पहने कई एआई -जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साझा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे हैं। क्लिप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं क्वीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्विमसूट पहना था, ये सच है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंदू मोंडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेचे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।

चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बातें करती दिख रही हैं। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमति से था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।'आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनो के रिश्ते में दरार पड़ने लगीं और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।

अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'के ड्रामा' की (क्योंकि... जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'

देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया

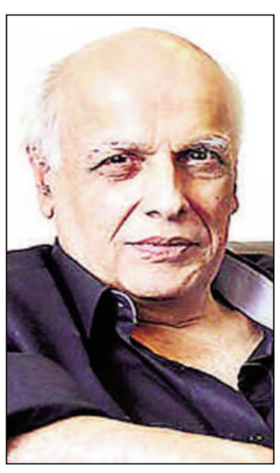

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साल 2012 में हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद वे हाइवे, 2 स्टेट्स, हम्पी शर्मा की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों कहा हिस्सा बनीं। साल 2015 में उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बॉक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था।

कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी।

यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थीं कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

तृप्ति का करियर ग्राफ

तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनूं और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तृप्ति और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती हैं।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी म्रमस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरौजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।